edufy publications

Grade - 2

नज़ारा

TEACHERS RESOURCE MANUAL

Hindi
Grade 2

1 हे रे पावस

नज़ारा दो दूसरी कक्षा की हिंदी पाठ्यपुस्तिका और अभ्यास पुस्तिका है।
हमारे छात्रों ने पहली कक्षा में ही वर्णों और संयुक्ताक्षरों का अध्ययन किया है।
पहली कक्षा की चौथी इकाई में वाक्य बनाने की क्षमता पाई है।
हमारे छात्र सुनने-बोलने-लिखने-वाचन करने में सक्षम हैं। दूसरी कक्षा में नरेशन के द्वारा ही पाठभाग को आगे बढ़ाया
गया है। पहली कक्षा से दूसरी कक्षा में आनेवालों के लिए दो-तीन प्रक्रियाएँ पूर्वानुभव जगाने के उद्देश्य से देनी चाहिए।

प्रक्रिया 1 – आलाप करें - मज़ा लूटें।

सबका स्वागत। नमस्ते।
छात्र- नमस्ते जी।
गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल शुरू हो रहा है।
हम एकसाथ एक गीत गाकर सबका स्वागत करेंगे। बालगीत का आलाप एकसाथ करें।
फिर तीन-चार पंक्तियों में बाँटकर आलाप करें। छात्र आलाप करें।
पंक्तियों का आशय समझा दें।
इस बालगीत को क्या शीर्षक देंगे?
आए हैं पढ़ने के दिन।
सच में पढ़ाई के दिन आज से शुरू हो रहे हैं।
बालगीत 'आए हैं पढ़ने के दिन' का आलाप एक और बार छात्रों के साथ करें।

प्रक्रिया 2 – पढ़ें - पहचानें - लिखें

पृ. 5 वर्णमाला का वाचन करें।
सस्वर वाचन का अवसर दें।
स्वर वर्णों का अलग वाचन कराएँ।
व्यंजन वर्णों का अलग वाचन कराएँ।
चार्ट दिखाएँ।
भरने का अवसर दें।

भरें:

अ			ई		ऊ	ऋ
	ऐ		औ		अः	
क		ग		ङ		
	छ		झ			
ट			ढ			
त		द		न		
प			भ			
	र		व			
श		स				

पढ़ें - पहचानें - समझें।

कब केला दिया पुल फूल कैसा चोर रथ गाय
तिल दीन पीना चाय कुल धूल खेल चौदह पैसा घोर कौशल

शब्दों का वाचन करें।
छात्रों से वाचन कराएँ।
खंभा बनवाकर स्वर वर्णक्रमानुसार भरने का अवसर दें।

कब	गाय									

हर खंभे में दो शब्द लिखने को मिलेंगे। उसके बाद खंभों के शीर्षक के जैसे अ आ इ ई उ ऊ ... औ तक लिखने का निर्देश दें।
ये शब्द दें-

अब रहना रुपया सरोवर बारिश अखबार काम चिड़िया समय रथ

दो वर्णवाले, तीन वर्णवाले, चार वर्णवाले शब्दों को पहचानें। लिखें।

दो वर्णवाले	तीन वर्णवाले	चार वर्णवाले

आगे पृ. 5 में दी गई प्रक्रिया चलाएँ।

प्रक्रिया 3 चित्रवाचन करें- पहचानें-

चित्र में कौन-कौन हैं?

कौन-कौन हैं?	क्या-क्या हैं?
बच्चे (छात्र)	स्कूल
माँ	पेड़
पिताजी	बस
मामाजी	कार
मामीजी	स्कूटर
ड्राइवर	किताब
भाई	बक्सा
बहन	गुब्बारा

इन शब्दों से वाक्य बनाएँ।
यह मेरा स्कूल है।
स्कूल के सामने पेड़ है।
स्कूल बस आ रही है।
शीतल स्कूटर से आ रही है।
नवीन के कंधों पर बक्सा है।
सितारा कार से आ रही है।
बबलू के हाथ में गुब्बारा है।
टीचर के हाथ में किताब है।
स्कूल के पीछे नारियल का पेड़ है।
प्रवेश उत्सव का बानर है।
स्कूल के बगल में स्टेज है।
सफ़िया बस से उतर रही है।
छात्र पैदल आ रहे हैं।
कृष्णा कार से देख रही है।
वाक्य चार्ट पर दें। वाचन करें। वाचन कराएँ।
लिख लेने का निर्देश दें।
दुबारा वाचन करें।
दुबारा वाचन कराएँ।
छात्र रेखांकित शब्दों का वाचन करें।
रेखांकित शब्द उत्तर मिलनेवाले प्रश्न पूछें।-
यह मेरा स्कूल है?
जवाब देने का अवसर दें।
सभी छात्रों को जवाब देने का अवसर दें।
इस प्रकार सभी रेखांकित शब्द को उत्तर मिलनेवाले प्रश्न पूछें।
सभी छात्रों को जवाब देने का अवसर दें।
खेलें .. मज़ा लूटें ..
एक-एक छात्र एक-एक प्रश्न पूछें।
अन्य छात्र जवाब दें।

प्रक्रिया 4 – लघु लेख दें।

यह मेरा स्कूल है। स्कूल के सामने पेड़ है। स्कूल के पीछे नारियल का पेड़ है। स्टेज स्कूल के बगल में है। कुछ छात्र पैदल आ रहे हैं। टीचर के हाथ में किताब है। स्कूल बस आ रही है। शीतल स्कूटर से आ रही है। बबलू के हाथ में गुब्बारा है।
लघु लेख का वाचन करें। वाचन कराएँ। लिख लेने का निर्देश दें।
दुबारा वाचन करें। दुबारा वाचन कराएँ।

प्रक्रिया 5 – पहचानें ... लिखें ...

छात्र चित्र पहचानें और नाम बताएँ। टीचर नाम श्यामपट पर लिखें।
वाचन करें। वाचन कराएँ।
शब्दों को तीन खंभों में बाँटें।
बिरियानी का चित्र दिखाकर पूछें-यह क्या है?
बच्चे बिरियानी। बिरियानी शब्द को पहले खंभे में लिखें।
टमाटर का चित्र दिखाकर पूछें- यह क्या है?
बच्चे बताएँगे टमाटर।
क्या टमाटर शब्द पहले खंभे में लिख सकते हैं?
नहीं। यह एक सब्जी है। इसलिए दूसरे खंभे में लिख दें।
शेर का चित्र दिखाकर पूछें - यह किसका चित्र है?
शेर का चित्र।
क्या यह पहले या दूसरे खंभे में लिख सकते हैं? नहीं। यह खाना या सब्जी नहीं है। इसलिए हम तीसरे खंभे में लिख सकते हैं।
इस प्रकार अन्य चित्रों पर प्रश्न पूछकर जवाब देने का अवसर दें।
मिले हुए शब्दों को निश्चित खंभों में भर दें।
वाचन करें। वाचन कराएँ।
पूछें- पहले खंभे में किसका नाम है? उस खंभे का शीर्षक है खाना।
शीर्षक लिखें जैसे अन्य दो खंभों को शीर्षक दें।

खाना	**सब्जी**	**जानवर**
बिरियानी	बैंगन	मेंढ़क
इडली	आलू	मगरमच्छ
पूड़ी	टमाटर	लोमड़ी
खीर	गाजर	शेर
चपाती	मिर्च	खरगोश

शब्दों को पाठ्यपुस्तक के खंभों में लिखें।

प्रक्रिया 6 – तस्नी से परिचय पाएँ।

तस्नी का घर है। इनका वार्तालाप सुनें-
चित्र में कौन-कौन हैं?
तस्नी क्या कर रही है?
भाई क्या कर रहा है?
दादी माँ कहाँ से आ रही है?
जवाब देने का अवसर दें।
वार्तालाप का अंश सुनाएँ। सस्वर वाचन कराएँ।
शब्दों के अर्थ समझाएँ। आशय समझाएँ।
प्रश्न पूछें-
'मुझे मालूम नहीं'- यह किसने कहा?
वे किसके पास गए?
दादी माँ ने क्या कहा?
छात्र जवाब दें। अध्यापक आवश्यक मदद दें।
दादी माँ अपने आप बारिश बनकर कहती है।

प्रक्रिया 7 लिख-लिखके कवि बन जाएँ।

बारिश पर चार पंक्तियाँ जोड़ें। कैसे?
पदसूर्य की सहायता से बारिश के बारे में पंक्तियाँ जोड़ सकेंगे।
पहली पंक्ति का वाचन करें। वाचन कराएँ।
देखो पदसूर्य में एक शब्द लिखेंगे। आई।
इससे एक पंक्ति बनाई है-
बारिश आई बारिश आई
बारिश क्या लेकर आती है?
पानी।
लिखें पानी। पंक्ति जोड़ें-
पानी लेकर बारिश आई।
पहली पंक्ति के जैसे लिखें-
बारिश आई पानी लेकर।
आगे तीसरी पंक्ति जोड़ो-
बारिश हमें कैसी लगती है?
अच्छी लगती है।
पंक्ति जोड़ें-बारिश हमें अच्छी लगती है।
बारिश हमें अच्छी लगती
चौथी पंक्ति जोड़ें-
पूछें- बारिश में कैसे नाचेंगे?
बारिश में हम खुशी दिखाएँगे।
पंक्ति जोड़ें-
बारिश में खुशी खुशी से नाचेंगे हम।
चार पंक्तियों को एकसाथ लिखें।

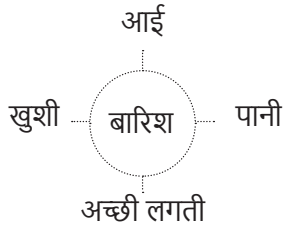

बारिश आई बारिश आई
बारिश आई पानी लेकर
बारिश हमें अच्छी लगती
बारिश में खुशी-खुशी से नाचेंगे हम।
वाचन करें। वाचन कराएँ।
पुस्तिका में लिखने दें। वाचन कराएँ।

प्रक्रिया 8 पढ़ें .. समझें ..

छात्र पहली बार आत्मकथांश सीख रहे हैं।
पहले पूरे खंड का वाचन करें।
छात्र पहले पूरे खंड का वाचन करें। सस्वर वाचन कराएँ।
कठिन शब्दों के नीचे रेखा खींचें।
कठिन शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रश्न पूछें-
बारिश के मौसम का नाम क्या है?
बारिश कब आती है?
बारिश किसको राहत देती है?
बारिश प्यासी धरती को क्या देती है?
जवाब देने का समय दें। लिखने का समय दें। जवाबों का वाचन कराएँ।
फिर खंड 2- प्रक्रिया ऊपर के जैसे ही हो।
प्रश्न-
किसकी गर्मी से पानी भाप बन जाता है?
कहाँ-कहाँ का पानी भाप बन जाता है?
भाप कैसे बन जाती है?
किसके स्पर्श से बादल का पानी नीचे बरस जाता है?
पानी कैसे बरस जाता है?
खंड 3 प्रक्रिया जा़री रखें।
प्रश्न-
पेड़-पौधे सभी हरे-भरे हो जाते हैं। कैसे?
बारिश किस-किसको भर देती है?
धरती कब सूख जाती है?
बारिश न होने से जीव-जंतुओं को क्या होता है?
धरती को कैसे बचा सकें?
'मुझे बुला लें।' किसे? क्यों?
पेड़ और बारिश के बीच का संबंध क्या है?
प्रश्नोत्तरों का वाचन हो। प्रश्न और उत्तर समझें।

प्रक्रिया 9 बारिश से पूछें - खुश हो जाएँ।

क्या हम बारिश से प्रश्न पूछें?

क्या-क्या प्रश्न पूछेंगे?
तीन खंडों के प्रश्नों में से प्रश्न चुन लें। एक छात्र को बारिश बनाएँ। अन्य छात्र प्रश्न पूछें।

पहला छात्र- बारिश, तेरा मौसम कब आता है?
बारिश- तपती गरमी के बाद मेरा मौसम आता है।

दूसरा छात्र- तुम्हारे आने से धरती को क्या मिलता है?
बारिश- .....

तीसरी छात्रा- तुम कैसे बरसती हो?
बारिश- .....

पहला छात्र- तुमसे पेड़-पौधों को क्या लाभ है?
बारिश- .....

चौथा छात्र- एक बार तुम नहीं आई तो क्या होगा?

दूसरा छात्र- बाप रे! तुम्हारे आने के लिए क्या करना है?
बारिश- .....

तीसरी छात्रा - बारिश, हम पेड़ लगाएँगे। ज़रूर हर बार आ जाना।
बारिश- आऊँगी। ज़रूर आऊँगी।
दादी माँ बारिश की आत्मकथा सुनाती है। बच्चों से स्कूल जाने को कहती है।

तस्नी के परिवार में कौन-कौन हैं?
सुनें .. गाएँ ..
बालगीत का आलाप करें। आलाप कराएँ। दादाजी और दादी माँ से माँ-बाप का संबंध समझाएँ।
पूछें-

माँ की माँ को क्या कहेंगे?
नानी।

माँ के बाप को क्या बुलाएँगे?
नाना।
इन चार पंक्तियों को नाना-नानी की पंक्तियाँ बना दें।

प्रक्रिया 10 परिवार वालों के नाम लिखें।

तस्नी के परिवार वालों से परिचय पाएँ।
पूछें-

तस्नी के पिताजी का नाम क्या है?
लिखें
जैसे प्रश्नों के द्वारा सबके नाम लिखवाएँ।

क्या इन वाक्यों से तस्नी के परिवार के बारे में लिख सकेंगे?
लिखने का अवसर दें।
उसी प्रकार अपने परिवार पर लिखें।
अपना परिवार

'अपना परिवार' का वाचन करें।

प्रक्रियाः 11 शब्द सुनें ... मधुर शब्द।

तस्नी क्या कहती है?
दोनों के बीच का वार्तालाप सुनाएँ। छात्र सस्वर वाचन करें। आशय समझा दें।
प्रश्न:

घड़ी की घंटी सुनकर तस्नी ने क्या कहा?
माँ ने क्या कहा?

कौन	**क्या**
कुत्ता	बस
लड़का	छतरी
लड़की	पेड़
मेंढ़क	पानी
चिड़िया	बारिश
बिल्ली	किश्ती
माली	स्कूटर
तस्नी	पौधे
कमाल	फूल
पिताजी	बरसाती कोट
दादाजी	

प्रक्रिया 12 बारिश में खेलें .. मज़ा लूटें ..

वे स्कूल जा रहे हैं। चित्र दिखाएँ।
चित्रवाचन करें।

क्या तुम बारिश में स्कूल गए हो?
हाँ/नहीं।

कैसा लगा था?
अच्छा/बुरा।

क्या-क्या किए होगे?
पानी में भीग कर स्कूल गए होगे।
किसी की छतरी में स्कूल गए होगे।
स्कूल बस से गए होगे।
पिताजी के स्कूटर के पीछे बैठकर गए होगे।
बरसाती कोट पहनकर गए होगे।
पानी में किश्ती छोड़ी होगी।
पैर से पानी पर लात मार कर चले होगे।
यही, चित्र में ये लोग कर रहे हैं।

कमाल ने क्या कहा?

तस्नी ने क्या जवाब दिया?
दोनों क्या गा रहे हैं?
बालगीत किश्ती का वाचन करें। वाचन कराएँ। आशय समझाएँ।
आस्वादन का अवसर दें।
पूछें:
कौन कागज़ की किश्ती छोड़ता है?
कलाम क्या करता है?
बालगीत का आलाप करें।
छात्र बालगीत का आलाप करें।

प्रक्रिया 13 – भाई-बहनों का स्वागत करें।

उन्हें खुश करने दें।
श्यामपट पर क्या लिखा है?
वाचन करें।
टीचर बच्चों से क्या कहती है?
पहली कक्षा के भाई-बहनों का स्वागत कैसे करें?

पहली कक्षा के भाई-बहनों को टोपी पहनाएँ। दूसरी कक्षा के छात्र पहली कक्षा में जाकर भाई-बहनों का हाथ पकड़कर स्कूल के सामने गोल दायरे में घूमें। फिर कक्षा में बिठाकर अपनी कक्षा में आ जाएँ। बीच में संगीत या बालगीत का प्ले करें।

कक्षा में 'मौसम बरसात का' का आलाप करें। छात्र आलाप करें।
पहली चार पंक्तियों से शुरू करें।
शब्दार्थ दें। आशय समझा दें।
कहें-
बूँदें अपने घर बादल से निकलकर अपने भाग्य पर इतराई। बूँदें धरती पर गिरने से पहले पर्वत से जाकर टकराई।
प्रश्न पूछें-
बूँदें कहाँ से निकलती हैं?
वे अपने भाग्य पर क्यों गर्व करती हैं?
धरती पर गिरने से पहले वे किससे टकराती हैं?
दूसरी चार पंक्तियों का वाचन करें।
सस्वर वाचन करें।
पूछें- धरती माता कब हर्षाई?
बच्चे क्या गाकर बाहर आए?
तीसरी चार पंक्तियों का वाचन करें।
'मेंढ़क राजा नींद से जागे'- का वाचन करें।
पूछें-
नींद से जागे मेंढ़क क्या करता है?
मेंढ़क की आवाज़ कैसी है?
दोनों जवाबों से दो पंक्तियाँ लिखें।
कविता की पूर्ति करें।
पूरी कविता का आलाप करें।
छात्र आलाप करें। कविता का आस्वादन करें।

प्रक्रिया 14 - कमाल को देखें - क्या पढ़ता है?

यह कमाल की कक्षा है। सातवीं बी। छठी बी कक्षा की टीचर सुनिता मिस्स ही आई।
टीचर सभी छात्रों की बातचीत का वाचन करें।
छात्र भी सस्वर वाचन करें।
पूछें-
पानी कहाँ से मिलता है?
बारिश से।
पानी की जीवनी का वाचन करें। छात्रों को सस्वर वाचन का अवसर दें।
पहले खंड की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्न:
पानी का घर क्या है?
पानी कहाँ रहता है?
कहाँ से धरती पर बह जाता है?
पानी कहाँ से निकलकर कहाँ जमा होता है?
पानी कहाँ से बहकर किसमें मिल जाता है?
पानी कहाँ से भाप बन जाता है?
जवाब का अवसर दें। लिखने को कहें।
दूसरे खंड की वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
हम पानी से क्या-क्या करते हैं?
किसान खेतों को किससे जोतते हैं?
मछलियाँ कहाँ रहती हैं?
हम कब बीमार हो जाएँगे?
पानी को क्यों साफ रखना चाहिए?
'कल के लिए पानी को संचित रखें।' क्यों?
जवाब का अवसर दें। लिखवाएँ।

प्रक्रिया 15 लघु लेख लिखें - पानी को बचाएँ

क्या तुम पानी का ज्यादा उपयोग करते हो?
है तो कब? कैसे?
नहीं तो कैसे?
बोलने का अवसर दें।
पाठ्यपुस्तक के प्रश्न पर चर्चा करें। लिखवाएँ।
पानी हमें हमेशा चाहिए।

पानी का उपयोग कम करें।
एक एक बूँद पर पानी के उपयोग के बारे में लिखा है। इन वाक्यों को लिखें।
पानी अमूल्य है। हम पानी से दाँतों का मंजन करते हैं।
(पूरे वाक्य लिखें। शीर्षक दें। वाचन करें। सस्वर वाचन कराएँ।)
हमारे व्यस्त जीवन में कैसे पानी को बचाएँगे?
क्या-क्या करेंगे?
तीन कार्य करेंगे।
.....पृ. 18 तीन वाक्य
.....
.....
इन वाक्यों का वाचन करें। सस्वर वाचन करें। आशय समझाएँ।
पाठ्यपुस्तक पृ. 18
1. जल अमूल्य है।
2. कल के लिए संचित रखें।
संदेश पढ़ें। आशय समझाएँ।
इस प्रकार के संदेश लिखें।
संदेश वाक्य स्कूल में नल के ऊपर चिपकाएँ।
स्कूल छोड़ने के बाद कमाल और तस्नी घर पहुँचे।

प्रक्रिया 16 डायरी लिखें।

तस्नी के परिवारवालों का वार्तालाप लिखें।
तस्नी: भैया.. पानी कैसे बरसता है?
कमालः मुझे मालूम नहीं।
.....
.....
.....
(नरेशन के संवादों को वार्तालाप का रूप दें।)
तस्नी ने आज क्या किया?
सुबह उठी। बरामदे पर बैठकर बारिश को देखा।
भैया के साथ दादी माँ से बारिश की आत्मकथा सुनी।
णीं णीं णीं ... घड़ी की आवाज़ सुनी।
भैया के साथ स्कूल गई।
बारिश में छतरी लेकर स्कूल गई।
पानी में किश्ती छोड़ी।
प्रवेश उत्सव में भाग लिया।
पहली कक्षा के भाई-बहनों को कक्षा में पहुँचा दिया।
'मौसम बरसात का' कविता पढ़ी।
अंतिम चरणों की पूर्ति की।
डायरी कैसे लिखेंगे?
इनमें से मुख्य कार्यों को चुन लें। डायरी लिखें।।
डायरी
जून 3, सोमवार

प्रक्रिया 17 पानी से कैसे बचाएँ?

दिव्या से परिचय पाएँ।
दिव्या माँ के साथ टीवी देख रही है।
पूछें-
टीवी में क्या देख रहे हैं?
चित्र में क्या-क्या हैं? कौन-कौन हैं?

कौन	**क्या**
आदमी	पानी
औरत	नाव
बच्चा	घर
बच्ची	पेड़
बकरी	

टीवी में सुर्खियाँ दिखाई पड़ती हैं। उनका वाचन करें।
शब्दों के अर्थ बताएँ। आशय समझाएँ।
भारी वर्षा से लोग बहुत मुसीबत में पड़ गए हैं।
पूछें:
लोग क्या करते हैं?
नाव में कौन जा रहा है?
वे क्यों नाव में जा रहे हैं?
घर के ऊपर कौन हैं?
वे क्या कर रहे हैं?
पानी से हम दूसरों को कैसे बचाएँगे?
अब समाचार सुनें।
हाव-भाव से समाचार सुनाएँ। वाचन कराएँ। अर्थ-आशय समझाएँ।
प्रश्न:
भारी बारिश कहाँ हो रही है?
किससे आम जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया?
दो दिनों से कितनी बारिश हुई?
बाढ़ माने क्या है?
गाँव किसमें बह गए?
कितने लोगों की मृत्यु हुई?
लोग कहाँ पर फँसे रहते हैं?
वे कैसे जीते हैं?
क्या ऐसी हालत कभी देखी है?
माँ का संवाद सुनाएँ। वाचन कराएँ। आशय पर बल दें।
दिया क्या कहती है?
दूसरों की मदद करनी चाहिए।
वह बक्सा खोलकर पैसे देती है।

किसको भेजने को कहती है?
माँ का संवाद सुनाएँ। वाचन कराएँ।
वह पत्र लिखने को तैयार हो जाती है।
माँ से गिनने को कहती है।

प्रक्रिया 18 – गिनें - संख्या पहचानें।

घड़ी देखें। अब समय कितना है?
दिव्या कितने बजे को पत्र लिखेगी?
घड़ी देखकर गिनते रहो- तीस, इकतीस, ... चालीस।
सस्वर वाचन कराएँ। वर्णों पर ध्यान दें।
सही मिलान करें।
31 को घड़ी में देखकर बताओ। मिलान करो। जैसे (40) चालीस तक।

प्रक्रिया 19 – पत्र लिखें। संदेश भेजें।

दिव्या का पत्र पढ़ें। छात्र भी पढ़ें। आशय समझें।
स्वयं मूल्याँकन

	कौन	- दिव्या
पत्र	कहाँ से	- कलमश्शेरी से
लिखना	कब	- 3 जून, 2024
	किसको	- मुख्यमंत्री जी को
	विषय क्या है	- राहत निधि के लिए पैसे भेजने का संदेश

दिव्या पत्र दिखाती है। माँ बधाई देती है।
तुमने कभी किसी की मदद की है?
कब?
किसकी?
कैसे?
पूछें। बोलने का अवसर दें। लिखें। लिखवाएँ।
पढ़ें .. समझें ..
मैं दिव्या, दूसरी कक्षा में पढ़ती हूँ।
मुझे बाढ़ से पीड़ित लोगों की सेवा करनी चाहिए।।
वाक्य दुहराएँ। छात्र भी दुहराएँ।

प्रक्रिया 20 जोड़ें का वाचन करें।

लिखना है मुझे, कलम चाहिए।
गेंद देखकर पूछें।
हम गेंद से क्या करते हैं?
खेलते हैं।
बताओ- खेलना है, मुझे गेंद चाहिए।
जैसे चित्र का परिचय दें। उपयोग पर बताने को कहें। वाक्य की पूर्ति करें।

प्रक्रिया 21 विशेषण पहचानें।

पृ. 23 पढ़ें .. समझें ..
नीली कलम
पीली छतरी
हरी थैली
वाचन कराएँ। विशेषण के नीचे रेखा खींचे।
इसका भी वाचन करें।
सुरीली आवाज़
प्यासी धरती
ठंडी हवा
विशेषण पहचानें।
ये किसके विशेषण हैं?
बताने का अवसर दें।

प्रक्रिया 22 (पृ. 24) नए शब्द बनाएँ।

दिए गए शब्दों से मात्रा जोड़कर नए शब्द बनाएँ।

प्रक्रिया 23 विधि रूप से परिचय पाएँ।

तालिका का वाचन करें। वाचन कराएँ।

तू	**तुम**	**आप**
0	**ओ**	**इए**
जा	जाओ	जाइए
रो	रोओ	रोइए
सो	सोओ	सोइए
खा	खाओ	खाइए
सुना	सुनाओ	सुनाइए
बोल	बोलो	बोलिए
पढ़	पढ़ो	पढ़िए
लिख	लिखो	लिखिए
कह	कहो	कहिए
उठ	उठो	उठिए

पढ़ने को कहें। दोनों तालिकाओं की क्रियाधातुओं के बारे में समझाएँ। लिखने को कहें।

पृ. 26 विधिरूप से संबंधित वार्तालाप की पूर्ति करें।

प्रक्रिया 24 सामान्य वर्तमान काल

चित्र दिखाकर पूछें।

लड़की क्या करती है?
लड़का क्या करता है?
लड़का क्या बोलता है?
बच्चा क्या करता है?

लिखने का समय दें।

पाठभाग से पृ. 26 -पढ़ें .. समझें .. लिखें ..- में दिए वाक्यों का वाचन करें।

क्रिया में 'आता है', 'देती हूँ' के नीचे रेखा खींचे। पाठभागों से ऐसे सामान्य वर्तमानकाल के वाक्य चुनकर लिखने को कहें। वाचन करें। वाचन कराएँ।

पूछें:

सवाल	जवाब
मैं क्या करता हूँ?	मैं पाठ लिखता हूँ।
वह क्या करता है?	वह पाठ लिखता है।

ऐसे वाक्य बोलने का अवसर दें। पुस्तिका में लिखवाएँ।

2 हौसले के साथ

इकाई 2 सूरज के जीवन से संबंधित छोटी-सी घटना पर आधारित है।

प्रक्रिया 1 – आलाप करें - मज़ा लूटें।

नमस्ते।
छात्र- नमस्ते जी।

बढ़े चलो भाई बढ़े चलो
हँसते गाते बढ़े चलो
दुख मिटाते बढ़े चलो
कदम मिलाते बढ़े चलो।

बालगीत का आलाप करें। छात्र आलाप करें। पंक्तियों का आशय समझा दें।
एक और बार आलाप करें।

प्रक्रिया 2 – देखें ... समझें ....

स्टीफन हॉकिंग जैसे दिव्यांग होते हुए भी जीवन की सफलता की ओर आगे बढ़े व्यक्तियों से संबंधित विडियो दिखाएँ।
प्रश्न द्वारा विडियो का आशय समझा दें।
बताएँः जीवन एक फूल है। सफलता उसकी खुशबू है।

प्रक्रिया 3 चित्रवाचन करें- पहचानें-

चित्र में कौन-कौन हैं? क्या-क्या हैं?

कौन-कौन हैं?	**क्या-क्या हैं?**
लड़का	पेड़
स्टीफन हॉकिंग	डाली
हेलेन केल्लर	पत्ता
चिड़िया	तिनका
चींटी	घोंसला
	पंख
	गुलाब
	किताब
	सीढ़ियाँ

प्रश्न पूछें-

स्टीफन हॉकिंग कौन थे?
हेलेन केल्लर कौन थी?
चिड़िया क्या कर रही है?
चिड़िया किससे घोंसला बनारही है?
चींटी क्या कर रही है?
लड़का क्या कर रहा है?

जवाब देने का अवसर दें।
पूछें-

यह चित्र हमें क्या संदेश देता है?

बताने का अवसर दें।

प्रक्रिया 4 – पढ़ें .. समझें ..

बताएँ-
हम सूरज से परिचय पाएँगे। वह गाँव में रहता है। वहाँ कोई स्कूल न होने से उसे पास के गाँव की पाठशाला में जाना पड़ता था। उसका मन पढ़ाई में नहीं लगता था। हमेशा खेलना चाहता था। एक दिन सूरज पाठशाला के लिए निकला।
रास्ते में एक चिड़िया दिखाई दी। उसने चिड़िया पर गीत गाया।
इसका वाचन करें। छात्र वाचन करें।
प्रश्न पूछें-

सूरज कहाँ रहता है?
सूरज को क्यों दूसरे गाँव की पाठशाला जाना पड़ता था?
सूरज हमेशा क्या करना चाहता था?
रास्ते में सूरज किससे मिला?

छात्रों को जवाब देने का अवसर दें।
लिखने का अवसर दें।

प्रक्रिया 5 – आलाप करें ... आस्वादन करें ...

विभिन्न पक्षी और उनके घोंसले का चित्र दिखा दें। हो सकें तो विडियो भी दिखाएँ। पक्षी का नाम और घोंसले का परिचय दें।

चित्र में क्या है?
चिड़िया कहाँ रहती है?
घोंसला कहाँ पर है?
चिड़िया घोंसला कैसे बनाती है?

'बया हमारी चिड़िया रानी' कविता का वाचन करें।
छात्र वाचन करें।
पहली चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र वाचन करें।
शब्दों का अर्थ समझा दें।
प्रश्न पूछें-
चिड़िया क्या बनाती है?
कहाँ बनाती है?
किससे बनाती है?
खेतों से क्या लाती है?
पानी कहाँ से भर लाती है?
जवाब देने का अवसर दें। आवश्यक सहायता दें।
प्रश्न पूछें:
यहाँ 'महल बनाना' से क्या तात्पर्य है?
बया दाना और पानी कहाँ से लाता है?
जवाब देने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।
एक-एक पंक्ति का आशय बताने का अवसर दें।
आशय समझा दें।
आशयः चिड़िया तिनके लाकर महल बनाती है। उसे ऊँची डाली पर लटकाती है। खेतों से दाना लाती है, नदियों से पानी भर लाती है।

प्रक्रिया 6 – आलाप करें ... आस्वादन करें ...

'बया हमारी चिड़िया रानी' कविता का वाचन करें।
छात्र वाचन करें।
दूसरी चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र वाचन करें।
शब्दों का अर्थ समझा दें।
प्रश्न पूछें-
तुझको दूर न जाने देंगे। किसको?
आँगन किससे भर देंगे?
ठंडा पानी किसमें भर देंगे?
जवाब देने का अवसर दें। आवश्यक सहायता दें।
प्रश्न पूछें:
दानों से आँगन भर देंगे। क्यों?
हौज में ठंडा पानी भर देंगे। क्यों?
सूरज चिड़िया को दूर न जाने देने के लिए क्या-क्या करना चाहता है?
जवाब देने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।
एक-एक पंक्ति का आशय बताने का अवसर दें।
आशय समझा दें।
आशयः सूरज चिड़िया को दूर न जाने देना चाहता है। वह कहता है चिड़िया के लिए आँगन को दानों से भर देगा। चिड़िया को पीने के लिए मीठा-मीठा ठंडा पानी हौज में भर देगा। मेहनती चिड़िया को हमेशा अपने साथ रखने की इच्छा सूरज इन पंक्तियों से प्रकट करता है।
पूरी कविता का आशय बताने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।

प्रक्रिया 8 - लिख-लिखते समझ लें।

श्यामपट पर लिखें-

सलमान हिंदी पढ़ता है।	सुल्फत हिंदी पढ़ती है।
सुधीर गेंद खेलता है।	सुजाता गेंद खेलती है।

पूछें-
सलमान क्या करता है?
सुल्फत क्या करती है?
जवाब देने का अवसर दें। समझाएँः पढ़नेवाला सलमान होने से पढ़ता है। पढ़नेवाली सुल्फत होने से पढ़ती है।
पुल्लिंग में 'ता' और स्त्रीलिंग में 'ती' का प्रयोग करें।
लिंग संबंधी एक प्रक्रिया दी है।
पक्षी तिनके लाकर महल बनाता है।
लड़का पाठ लिखता है।
मोहन खेलता है।
बच्चा दूध पीता है।
रहीम बैठता है।
छात्र इन वाक्यों का वाचन करें। कार्य करनेवालों के (कर्ता के) नीचे रेखा खींचें।
पाठ्यपुस्तिका में ऊपर दिए गए वाक्यों का वाचन करें।
क्रिया में आनेवाले परिवर्तन समझा दें।
लिखने का अवसर दें।

प्रक्रिया 9 – पढ़ें .. समझें ..

चित्र में कौन-कौन हैं?
दोनों के वार्तालाप का वाचन करें। छात्र वाचन करें। अर्थ समझा दें।
प्रश्न पूछें-
सूरज किससे मिला?
घोड़ा क्या कर रहा था?
सूरज ने घोड़े से क्या कहा?
घोड़े ने इसका क्या जवाब दिया?
उत्तर देने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।

प्रक्रिया 10 – पढ़ें .. समझें ..

चित्र में कौन-कौन हैं?
दोनों के वार्तालाप का वाचन करें। छात्र वाचन करें। अर्थ समझा दें।
प्रश्न पूछें-
सूरज ने किसको देखा?
सूरज ने मधुमक्खियों से क्या कहा?
मधुमक्खियों ने इसका क्या जवाब दिया?
उत्तर देने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।

प्रक्रिया 11 – पढ़ें .. समझें ..

चित्र में कौन-कौन हैं?
दोनों के वार्तालाप का वाचन करें। छात्र वाचन करें। अर्थ समझा दें।
प्रश्न पूछें-
सूरज ने किसको देखा?
किसान क्या कर रहा था?
सूरज ने किसान से क्या कहा
किसान ने इसका क्या जवाब दिया?
क्या सूरज स्कूल गया?
सूरज क्यों वहीं बैठता रहा?
उत्तर देने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।
खेत के पास बैठनेवाले सूरज को देखकर किसान ने अपना एक अनुभव बताया। अनुभव का वाचन करें।
छात्र वाचन करें।
छात्र कठिन शब्दों के नीचे रेखा खींचें। कठिन शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रश्न पूछें-
किसान क्या कर रहा था?
अचानक वहाँ कौन आया?
भालू ने क्या किया?
भालू से बचने के लिए किसान ने क्या कहा?
भालू किसान से क्या बोला?
किसान ने क्या बोया?
फसल आने पर भालू को क्या मिला?
किसान को क्या मिला?
किसान ने आलू क्यों बोया?
अगली बार भालू ने क्या माँगा?
किसान ने क्या बोया?
भालू को क्या मिला?
किसान को क्या मिला?
भालू क्यों निराश हो गया?
तीसरी बार भालू ने क्या माँगा?
किसान ने किसकी खेती की?
फसल काटने पर भालू को क्या मिला?
किसान को क्या मिला?
किसान ने इस बार भालू को कैसे चकमा दिया?
भालू का सिर चकरा गया। क्यों?
किसान का अनुभव सुनकर सूरज ने क्या कहा?
किसान ने इसका क्या जवाब दिया?
किसने किसान को चतुर बना दिया?
क्या सूरज को अपने साथ खेलने का साथी मिला? क्यों?
सूरज स्कूल जाने को क्यों तैयार हो गया?
किसान ने सूरज को कहाँ पहुँचाया? क्यों?
टीचर ने क्या पूछा?
सूरज ने क्या जवाब दिया?
(किसान के अनुभव को आवश्यकतानुसार तीन चार प्रक्रियाओं में वाँट दें।)

प्रक्रिया 12 – वार्तालाप लिखकर खुश हो जाएँ

मान लें, कि सूरज रास्ते में तितली से मिलता है। दोनों के बीच का संभावित वार्तालाप लिखें।
प्रश्न पूछें-
सूरज तितली से क्या पूछेगा?
तितली क्या करने में व्यस्त होगी?
तितली का जवाब क्या होगा?
बोलने का अवसर दें।
लिखने का अवसर दें।
सूरज .....
तितली .....

प्रक्रिया 13 – पढ़ें .. समझें .. भरें .. (पृ. 34)

वाक्य पढ़ें। ऊपर और नीचे शब्दों के नीचे रेखा खींचें। अर्थ समझाएँ। विलोम शब्दों का परिचय दें। वाचन कराएँ। विलोम शब्दों से हरेक वाक्य की पूर्ति करें।
पृ. 35 में एकवचन-बहुवचन संबंधी वाक्यों का वाचन करें।
कर्ता के वचन बदलने पर ज़ोर दें।
वाक्यों का वाचन करें।

प्रक्रिया 14 – आलाप करें ... आस्वादन करें ...

चित्रों में क्या-क्या हैं? बोलने का अवसर दें।

सफलता में समय की अहम भूमिका है। 'समय' कविता का वाचन करें।
छात्र वाचन करें।
पहली चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र वाचन करें।
शब्दों का अर्थ समझा दें।
प्रश्न पूछें-
सबेरे हमें कौन जगाती है?
चिड़िया हमें जगाती हुई क्या कहती है?
जवाब देने का अवसर दें। आवश्यक सहायता दें।
एक-एक पंक्ति का आशय बताने का अवसर दें।
आशय समझा दें।
आशयः सबेरे चिड़िया हमें नींद से जगाती है। चिड़िया हमसे बताती है- सबेरे का समय सोने का नहीं, काम करने का है। समय बहुत मूल्यवान है।
दूसरी चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र वाचन करें।
शब्दों का अर्थ समझा दें।
प्रश्न पूछें-
बया क्या बुनती है?
बया कैसे घोंसला बुनती है?
किसकी किस्मत बनती है?
जवाब देने का अवसर दें। आवश्यक सहायता दें।
एक-एक पंक्ति का आशय बताने का अवसर दें।
आशय समझा दें।
आशयः बया एक-एक तिनका चुनकर घोंसला बुनती है। अपने आप काम करें तो सफल हो सकता है। मेहनती की किस्मत बनती है।
तीसरी चार पंक्तियों का वाचन करें।
छात्र वाचन करें।
शब्दों का अर्थ समझा दें।
प्रश्न पूछें-
नदी कैसे बहती है?
नदी की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
जवाब देने का अवसर दें। आवश्यक सहायता दें।
एक-एक पंक्ति का आशय बताने का अवसर दें।
आशय समझा दें।
आशयः नदी पूरे दिन कहीं न रुककर बहती है। वह कभी विश्राम नहीं लेती। हमेशा बहती रहती है। कविता में चिड़िया हो या नदी हो आलस छोड़कर अपने जीवन में सक्रिय रहते हैं। कवि समय का सदुपयोग करने का उपदेश देते हैं।
पूरी कविता का आशय बताने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।
कबीरदास के दोहे पर चर्चा करें।
उस खंड का वाचन करें।
छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का अर्थ दें। आशय समझा दें।
कबीर कहते हैं- हरेक काम समय पर करना चाहिए।

प्रक्रिया 15 – पढ़ें .. समझें .. सफलता जीवन की सीढ़ी

पाठभाग का वाचन करें। वाचन प्रक्रिया जारी रखें।
प्रश्न-
व्यापारी कहाँ से गुज़र रहे थे?
व्यापारी क्यों रात में सफर करते थे?
वे रास्ता भटक गए। क्यों?
वे सब क्यों दुखी हुए?
सब अपने नेता पर क्यों चिल्लाने लगे?
नेता घास के तिनके के पास खोदने लगा। क्यों?
सब लोग नेता की निंदा करने लगे। क्यों?
नेता ने सब लोगों से क्या कहा?
व्यापारियों को पानी कैसे मिला?
जवाब देने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।
पूरी कहानी का वाचन करें।
कहानी की घटनाओं को क्रम से बताएँ।
पृ. 38 की कहानी की घटनाएँ सही क्रम से लिखने का अभ्यास करें।
पृ. 38 पढ़ें .. समझें .. भरें का अभ्यास करें।

प्रक्रिया 16 पढें .. समझें ..

नन्हा नटखट खरगोश कहानी का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
कठिन शब्दों के नीचे रेखा खींचें। शब्दों का अर्थ समझा दें।
प्रश्न पूछें-
नन्हे खरगोश ने अपनी माँ से क्या कहा?
उसकी माँ ने इसका क्या जवाब दिया?
अगर माँ पीछे-पीछे आएगी तो वह क्या करेगा?
नन्हा खरगोश मछली बन जाए तो माँ क्या करेगी?
माँ मछुआरा बनेगी तो नन्हा खरगोश क्या बनेगा?
नन्हा खरगोश फूल बनेगा तो माँ क्या बनेगी?
माँ माली बने तो नन्हा खरगोश क्या करेगा?
नन्हा खरगोश चिड़िया बनेगा तो माँ क्या बनेगी?
माँ पेड़ बनेगी तो नन्हा खरगोश क्या बनेगा?
माँ नाव बनेगी तो वह क्या करेगा?
माँ हवा बनेगी तो नन्हा खरगोश क्या करेगा?
नन्हा खरगोश घर में आ जाए तो माँ क्या करेगी?
जवाब देने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।

'क्या मैं यह कर सकता/सकती हूँ' करें।
पृ. 42 चुनें .. लिखें .. अभ्यास करें।
पृ. 43 स्त्रीलिंग-पुल्लिंग में क्रमवाचक शब्दों का परिचय पाएँ।
बारह महीनों के नाम श्यामपट पर लिख दें।
वाचन करें। वाचन कराएँ।
पृ. 43 दिनों और महीनों के नाम जोड़कर पूरा करें।
उदाः स्वतंत्रता दिवस पंद्रह अगस्त को मनाया जाता है।
पृ. 44 पढ़ें .. समझें .. का वाचन करें।
शब्दों का लिंग पहचानें।
स्त्रीलिंग (की) पुल्लिंग (का) शब्दों को निश्चित खानों में भरें।
पृ. 44 का/की जोड़कर वाक्यों को पूरा करें।
पृ. 44 सामान्य वर्तमानकाल के वाक्यों को तात्कालिक वर्तमानकाल में बदलकर लिखें।

समझा दें- सामान्य वर्तमानकाल के ता,ते,ती के बदले रहा, रहे, रही का प्रयोग करें।
जैसेः
मैं पढ़ता हूँ। मैं पढ़ रहा हूँ।
पृ. 45 वाक्य बनाएँ अभ्यास करें।
खंड का वाचन करें। क्रिया को तात्कालिक वर्तमानकाल में बदलकर लिखने का अवसर दें।
पृ. 45 पढ़ें .. समझें .. वाक्यों का वाचन करें। और का प्रयोग समझाएँ।
जैसेः सुदीप स्कूल जा रहा है। नवीन स्कूल जा रहा है। दोनों वाक्यों में समान रूप से 'स्कूल जा रहा है' हैं।
सुदीप-नवीन के बीच में 'और' जोड़कर लिखें। इस प्रकार अन्य वाक्यों में और लगाएँ।

3 सफ़र करें स्वस्थ रहें।

इकाई 3 स्वास्थ्य और सफर पर आधारित है।

प्रक्रिया 1 – आलाप करें - मज़ा लूटें।

आया मौसम
पिकनिक का
शुरू हो गई है सर्दी
छोटे हो गए हैं दिन।
सपरिवार हो
संग दोस्तों के हो
मनाएँ पिकनिक,
मज़ा दुगुना हो जाए।

बालगीत का आलाप करें। छात्र आलाप करें। पंक्तियों का आशय समझा दें।
एक और बार आलाप करें।

प्रक्रिया 2 – देखें ... समझें ....

पर्यटन केन्द्रों से संबंधित विडियो दिखाएँ।
प्रश्न द्वारा विडियो का आशय समझा दें।
बताएँः हम कई प्रकार की यात्राएँ कर रहे हैं। यात्राएँ मज़ेदार हैं। वे हमें स्वस्थ बना देती हैं।

प्रक्रिया 3 चित्रवाचन करें- पहचानें-

चित्र में कौन-कौन हैं? क्या-क्या हैं?

कौन-कौन हैं?	**क्या-क्या हैं?**
लड़का	ताजमहल
लड़की	वाटर थीं पार्क
आदमी/पुरुष	जल प्रपात
	चीन की दीवार
	हाउस बोट
	गेंद
	गुब्बारा
	साइकिल
	पर्यटक

प्रश्न पूछें-
एक-एक चित्र लेकर प्रश्न पूछना है।
ताजमहल कहाँ पर है?
ताजमहल किसने बनवाया?
किसकी याद में बनवाया?
ताजमहल की प्रसिद्धि क्या है?
एक वाटर थीं पार्क का नाम बताएँ।
वह कहाँ पर स्थित है?
क्या तुम वहाँ गए थे?
वहाँ देखने, क्या-क्या हैं?
केरल के एक जल प्रपात का नाम बताएँ।
वह किस जिले में है?
केरल में सबसे अधिक हाउस बोट कहाँ दिखाई पड़ती हैं?
भारत में हाउसबोट के लिए मशहूर जगह कौन-सा है?
चीन की दीवार की सबसे बड़ी विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

प्रक्रिया 4 – पढ़ें .. समझें ..

बताएँ-
संजना और संदीप स्कूल से आ रहे हैं।
वे अपने माँ-बाप से बातचीत कर रहे हैं।
उनकी बातचीत का वाचन करें।
छात्र वाचन करें।
प्रश्न पूछें-
संजना कहाँ जाना चाहती थी?
क्या अम्मा भी वाटर थीं पार्क जाना चाहती थी?
संदीप ने वाटर थीं पार्क जाने का विरोध क्यों प्रकट किया?
पापा ने कहाँ जाने का निर्णय लिया?
वाटर थीं पार्क नहीं जाने का निर्णय होने पर संजना की प्रतिक्रिया क्या थी?
लिखने का अवसर दें।

प्रक्रिया 5 – लिखें ... मज़ा लूटें ...

पिकनिक के लिए क्या-क्या तैयारियाँ करनी चाहिए?

पदसूर्य की सहायता से पिकनिक की तैयारियों पर चर्चा करें।
बोलने का अवसर दें।
पिकनिक के लिए आवश्यक चीज़ों के नाम बताएँ। (चित्र की सहायता से)
पानी, थरमस, बिस्कुट, फल, थाली, गेंद, खाना, कैमरा, गुड्डा, ...
चीज़ों के नामों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।

प्रक्रिया 6 – कहानी पढ़ें ... आस्वादन करें ...

प्रश्न पूछें-
संजना क्यों रो रही थी?
माँ ने उसे क्या सुनाई?
चित्र 1 दिखाकर प्रश्न पूछें-
चित्र में कौन-कौन हैं?
वे क्या कर रहे हैं?
चित्र 1 में दिए कहानी का अंश पढ़ें। छात्र वाचन करें।
चित्र 2 दिखाएँ।
रास्ते में क्या हुआ?
बारिश के आने पर इन्होंने क्या किया?
कहानी के अंश का वाचन करें। वाचन कराएँ।
रास्ते में इन्हें क्या पार करनी थी?
चित्र 3 दिखाएँ औ पूछें।
इन्होंने नदी कैसे पार की?
चित्र 4 दिखाएँ।
गेंद, डिब्बा और छतरी ने रात कैसे बिताई?
चित्र 5 दिखाएँ।
पहाड़ पर से गेंद ने क्या किया?
गेंद ने डिब्बे और छतरी से क्या कहा?
क्या डिब्बा और छतरी छलाँग लगा सकते हैं?
पूरी कहानी का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
पूरी कहानी लिखने का अवसर दें।

प्रक्रिया 7 लिख लिखते खुश हो जाएँ।

कहानी के आधार पर तीनों का वार्तालाप तैयार करें।
डिब्बाः हाय गेंदू, कैसे हो?
गेंदूः ठीक हूँ, डिब्बू। छातू आई ?
.....
.....

प्रक्रिया 8 – कविता का आलाप करें ... आसावादन करें ...

प्रश्न पूछें-
संजना को कहानी अच्छी लगी।
फिर वह क्या करने लगी?
वे ठीक समय पर निकले। कहाँ?
कार में संदीप क्या कर रहा था ?
संजना क्या कर रही थी?
संजना किस कविता का आलाप कर रही थी?
हम भी आलाप करें। कविता का नाम है 'चूहे की दिल्ली यात्रा'।
यह कविता रामधारी सिंह दिनकर की है।
कविता का आलाप करें। छात्र आलाप करें।
पहली चार पंक्तियों का आलाप करें। छात्र आलाप करें।
कठिन शब्दों का परिचय लें।
प्रश्न पूछें-
चूहे ने चुहिया से यात्रा के लिए क्या-क्या माँगे?
पगड़ी कहाँ से लाई गई थी?
चूहे ने खाने के लिए ले जाने क्या-क्या माँगे?
चूहे ने चुहिया से क्यों कहा कि 'बिल से बाहर मत आना'
पहली चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें। एक-एक पंक्ति का आशय बताने का अवसर दें।
आशय समझा दें।
आशयः
एक बार चूहे को दिल्ली देखने की इच्छा हुई। उसने चुहिया से छाता और घड़ी माँगे। साथ ही बड़े सेठ के घर से लाई पगड़ी भी देने को कहा। खाने के लिए मटर और मूँग ले लिया। चूहे ने चुहिया से कहा- तुम लोग कभी भी बिल से बाहर मत आना।
दूसरी चार पंक्तियों का आलाप करें। छात्र आलाप करें। कठिन शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रश्न पूछें-
बिल्ली के संबंध में चूहा क्या कहता है?
चूहे ने चुहिया को सो जाते समय क्या करने का उपदेश दिया?
चूहा किसके लिए दिल्ली जा रहा था?
एक-एक पंक्ति का आशय बताने का अवसर दें। आशय समझा दें।
आशयः
बिल्ली बड़ा दुष्ट है जो ताक लगाए बैठता है। पता नहीं कि वह किसको कब पकड़े या खाये। इसलिए सो जाते समय दरवाज़े पर किल्ली लगाकर सोना है। मैं तो स्वतंत्रता का त्यौहार देखने दिल्ली जा रहा हूँ।

प्रक्रिया 9 – पहचानें ... बोलें ...

एक-एक पंक्ति का आशय बताएँ। पंक्ति ढूँढ निकालने दें। पंक्ति का वाचन करें।
जैसेः चूहे ने बड़े सेठ के घर से लाई पगड़ी माँगी।
पंक्ति- लाया था जो बड़े सेठ के घर से, वह पगड़ी दो।

प्रक्रिया 10 – पढ़ें .. समझें ..

संजना और संदीप अपने माँ-बाप के साथ आगरा जा रहे हैं। माँने कहा- खाना खाएँ। यह सुनकर पिताजी ने गाड़ी एक बगीचे के पास खड़ी कर दी।

चित्र में कौन-कौन हैं?

बताने का अवसर दें।
वे खाना खाने की तैयारी में हैं। इनके बीच का वार्तालाप तैयार करें।
माँः ज़रा कार की डिक्की खोल दीजिए।
पापाः .....
संदीपः .....
संजनाः.....
.....
.....
.....
संदीपः पापा, हम कितने बजे आगरा पहुँचेंगे।
पापाः आधे घंटे के अंदर पहुँचेंगे।
वार्तालाप का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
वे आराम से यात्रा कर रहे हैं।
आगरा की यात्रा पाठभाग का पहले दो खंडों का वाचन करें। छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का अर्थ समझा दें।
ताजमहल की विडियो दिखाएँ।
प्रश्न पूछें-

- ताजमहल कहाँ स्थित है?
- आगरा दिल्ली से कितने किलोमीटर दूर है?
- आगरा जाने के लिए कितने घंटों की यात्रा है?
- वे कितने बजे आगरा पहुँचे?
- आगरा से ताजमहल कितने किलोमीटर दूर है?
- वे पहले क्या देखना चाहते थे?
- वे कहाँ से टिकट ले ली?
- ताजमहल किससे बनवाया गया है?
- बगीचा कैसा था?

उत्तर देने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।

प्रक्रिया 11 – पढ़ें .. समझें ..

आगरा की यात्रा पाठभाग का तीसरे-चौथे खंडों का वाचन करें। छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का अर्थ समझा दें।
प्रश्न पूछें-

- ताजमहल के चारों कोनों में क्या हैं?
- संगमरमर की दीवारों पर क्या बनवाए गए हैं?
- यहाँ क्या देखकर लोग दाँतों तले ऊँगली दबाते हैं?
- दाँतों तले ऊँगली दवाना से क्या तात्पर्य है?
- ताजमहल किसकी याद में बनवाया गया था?
- ताजमहल किसने बनवाया?
- चाँदनी रात में ताजमहल कैसा प्रतीत होता था?
- समय कैसे बीत गया?
- पिकनिक कैसी थी? पूछने पर संजना ने क्या सुनाया?

बोलने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।

प्रक्रिया 12 – लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

अगर आप ताजमहल को देखते हैं तो उसका वर्णन कैसे करेंगे?

- आगरा से कितने दूर हैं?
- टिकट कहाँ से लेना है?

ताजमहल

- ताजमहल किससे बनवाया गया है?
- ताजमहल का बगीचा कैसा है?
- बगीचे में कैसे फूल खिले हैं?
- बगीचे से होकर ताजमहल के कहाँ पर जा सकते हैं?
- ताजमहल के चारों कोनों में क्या हैं?
- दीवारों पर क्या बनवाए गए हैं?
- क्या देखकर लोग दाँतों तले उँगली दबाते हैं?
- ताजमहल में किस-किस के मकबरे हैं?
- ताजमहल किसकी याद में बनवाया गया था?
- ताजमहल किसने बनवाया?
- चाँदनी रात में ताजमहल कैसा प्रतीत होता है?

प्रश्नों के उत्तर देने का अवसर दें। आवश्यक जानकारी लेकर ताजमहल का वर्णन करें। लिखने का अवसर दें। वाचन करें। छात्र वाचन करें।

प्रक्रिया 13 – आलाप करें ... आसावादन करें ...

चित्र में दिए ऐतिहासिक मकानों का परिचय दें।
पहली चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों

का अर्थ समझा दें।
प्रश्न पूछें-
कौन घूमने निकली?
रानी बिटिया कहाँ से घूमने निकली?
वह पहले कहाँ पहुँची?
पहली चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें। एक-एक पंक्ति का आशय बताने का अवसर दें।
आशय समझा दें।
दूसरी चार पंक्तियों का आलाप करें। छात्र आलाप करें। कठिन शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रश्न पूछें-
वह चंडीगढ़ से कहाँ पहुँची?
जयपुर से कहाँ गई?
कहाँ से लौटकर घर पहुँची?
दूसरी चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें। एक-एक पंक्ति का आशय बताने का अवसर दें।
आशय समझा दें।
तीसरी चार पंक्तियों का आलाप करें। छात्र आलाप करें। कठिन शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रश्न पूछें-
माँ ने क्या पूछा?
रानी बिटिया ने क्या उत्तर दिया?
तीसरी चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें। एक-एक पंक्ति का आशय बताने का अवसर दें।
आशय समझा दें।
चौथी चार पंक्तियों का आलाप करें। छात्र आलाप करें। कठिन शब्दों का अर्थ समझाएँ।
प्रश्न पूछें-
रानी बिटिया का जवाब माँ को झूठ लगा। क्यों?
रानी बिटिया ने क्या उत्तर दिया?
भारत मेरा घर है। रानी बिटिया ऐसा क्यों कहना चाहती है?
रानी बिटिया कहाँ-कहाँ गई?
चौथी चार पंक्तियों का वाचन करें। छात्र वाचन करें। एक-एक पंक्ति का आशय बताने का अवसर दें।
आशय समझा दें।

प्रक्रिया 14 – डायरी का वाचन करें ... आस्वादन करें ...

रेलयात्रा-संबंधी विडियो दिखाएँ। खासकर छात्रों की यात्रा हो।
डायरी के पहले अंश का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
कठिन शब्दों का अर्थ समझा दें। एक और बार वाचन करें। वाचन कराएँ।
प्रश्न पूछें:
नियास की यात्रा कितने दिनों की थी?
नियास कहाँ पहुँचा?
उसकी टीम में कितने छात्र थे?
वे क्यों दिल्ली आए?
उसकी टीम में कितने दल थे?
उसकी टीम में कितने अध्यापक थे?
उनकी यात्रा कैसी थी?
डायरी के अंतिम दो खंडों का वाचन करें। छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का अर्थ समझा दें। एक और बार वाचन करें। वाचन कराएँ।
प्रश्न पूछें:
रेलवे स्टेशन से बारक तक कैसे आए?
परेड कब शुरू होगी?
सर्दी से बचने के लिए नियास क्या कर रहा था?
उसके परिवारवाले क्यों खुश थे?
नियास क्यों खुश था?
ईश्वर को शुक्रिया अदा करता हूँ। यह किसने कहा? क्यों?

प्रक्रिया 15 – पढ़ें .. समझें ..

गणतंत्र दिवस परेड की विडियो दिखाएँ।
प्रश्न द्वारा विडियो का परिचय दें।
प्रश्न-
गणतंत्र दिवस की परेड में किसको सलाम करना चाहिए?
"यह भी खास अनुभव है, अनुभूति है।"- क्या?

प्रक्रिया 16 आलाप करें ... गर्व करें ...

'झंडा ऊँचा रहे हमारा' गीत का विडियो दिखाएँ/ऑडियो सुनाएँ। आलाप करें। आलाप कराएँ।

प्रक्रिया 17 पत्र पढ़ें ... आदर करें ...

पत्र के पहले दो खंडों का वाचन करें। छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का अर्थ समझाएँ। एक और बार वाचन करें। छात्र वाचन करें।
प्रश्न पूछें:
2024 में हमने कितवाँ गणतंत्र दिवस मनाया था?
मुख्य कार्यक्रम कहाँ हुआ?
हमेशा परेड की शुरूआत कैसी होती थी?

इसके बदले में इस बार क्या परिवर्तन हुआ?
इस बार की परेड की विशेषता क्या है?
विभिन्न राज्यों की झाँकियों में क्या-क्या प्रस्तुत किए जाते हैं?
बोलने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।
पत्र के पहले दो खंडों का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
पत्र के अंतिम दो खंडों का वाचन करें। छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का अर्थ समझाएँ। एक और बार वाचन करें। छात्र वाचन करें।
प्रश्न पूछेंः
इस बार कौन-सी प्रतियोगिता आयोजित की कई?
इस प्रतियोगिता का उद्देश्य क्या था?
इस बार की त्रिसेवा टुकड़ी की विशेषता क्या थी?
परेड में किसका प्रदर्शन होता है?
परेड कितने मिनट की होती है?
परेड का समापन कैसा होता है?
नियास की यात्रा अविस्मरणीय थी। क्यों?
पत्र की रूपरेखा का परिचय दें।

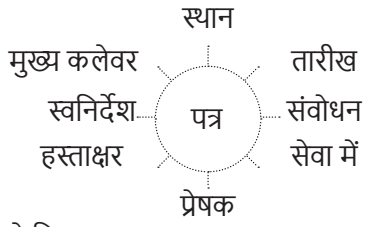

बताएँ ... लिखें ...

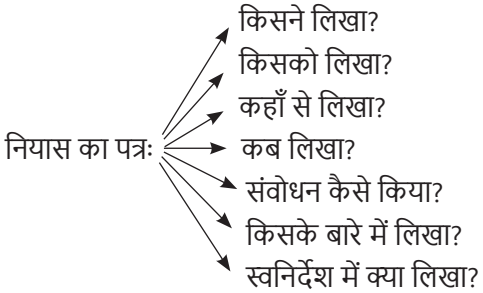

प्रक्रिया 18 लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

आगरा की यात्रा के बाद अपने मित्र के नाम संदीप का पत्र तैयार करें।
पत्र का वाचन करें।
'क्या मैं यह कर सकता/सकती हूँ' करें।

प्रक्रिया 19 समझें ... लिखें ....

पृष्ठ सं. 60 पढ़ें ... समझें ... लिखें।
एकवचन का बहुवचन रूप समझा दें।
जैसेः संदीप लड़का है।
संदीप और मनदीप लड़के हैं।
साया के पास एक कलम है।
मेरे पास दो कलमें हैं।
अभ्यास में दिए एकवचन-बहुवचन का परिचय दें। वाक्यों को बहुवचन से पूरा करें।

प्रक्रिया 20 – पढ़ें ... समझें ... (सर्वनाम)

मेरा नाम संदीप गोपालकृष्णन है। मैं दूसरी कक्षा में पढ़ता हूँ। मेरे पिताजी डॉक्टर हैं। मेरी माताजी अध्यापिका हैं।
मेरी बहन पाँचवीं कक्षा में पढ़ती है।
अभ्यास में दिए वाक्यों द्वारा सर्वनाम समझा दें।
अभ्यास में दिए वाक्यों को सर्वनाम से पूरा करें।
गीता दूसरी कक्षा में पढ़ती है। वह नौ बजे स्कूल पहुँचती है।
अन्य दो वाक्यों की पूर्ति करें।

प्रक्रिया 21 वाक्य पढ़ें और समझें (सामान्य भूतकाल अकर्मक क्रिया)

अभ्यास में दिए वाक्य पढ़ें। सामान्य भूतकाल अकर्मक क्रिया का रूप समझा दें।

जैसेः आया	आए	आई	आईं	
सोया	सोए	सोई	सोईं	
उठा (आ)	उठे (ए)	उठी (ई)	उठीं (ईं)	
बैठा (आ)	बैठे (ए)	बैठी (ई)	बैठीं (ईं)	

अभ्यास में दिए कर्ता और क्रिया रूपों को जोड़कर वाक्य बनाएँ।
वाचन करें। छात्र वाचन करें। लिख लें।

प्रक्रिया 22 – लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

छतरी, गेंद और डिब्बे की कहानी लिखें।
पाठभाग में दिए चित्र का वाचन करें। कहानी का वाचन करें।
प्रक्रिया 7 में बनाए वार्तालाप का वाचन करें।
इन तीनों को मिलाकर छतरी, गेंद और डिब्बे की कहानी लिखें।

प्रक्रिया 23 – लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

ताजमहल की खूबसूरती पर अपने मित्र के बीच का वार्तालाप तैयार करें।
पाठभाग का वाचन करें। प्रक्रिया 12 में लिखे ताजमहल का विवरण पढ़ें, दोनों की मदद से वार्तालाप तैयार करें।

4 प्यार प्यार से

इकाई चार प्यार से संबंधित है। विशेष रूप से जानवरों, पक्षियों पर आधारित है। हमारे जैसे, पशु-पक्षी भी प्यार के भूखे हैं। लेकिन हममें कितने इनसे प्यार करते हैं?

प्रक्रिया 1 – आलाप करें - मज़ा लूटें।

'चिडिया' बाल गीत का आलाप करें। चार-चार पंक्तियों में बाँटकर आलाप करें। छात्र आलाप करें।
पंक्तियों का आशय समझा दें।
बालगीत का आलाप एक और बार छात्रों के साथ करें।

प्रक्रिया 2 – प्यार करें - दुश्मन न बनें।

छोटी कहानी सुना दें।
एक बंदर पेड़ पर बैठा था। उसकी पूँछ ज़मीन तक लटक रही थी। एक गिलहरी ज़मीन पर उछल कूद कर रही थी। अचानक उसे पूँछ दिखाई दी। वह पूँछ पर चढ़ कर झूलने लगी।बंदर को गुदगुदी हुई। उसने नीचे देखा। वह हंसकर बोला - बहन गिलहरी! यह क्या कर रही हो? मुझे गुदगुदी हो रही है।
गिलहरी चौंकी - बंदर भैया, यह तुम हो? मैं तो तुम्हारी पूँछ को झूला समझकर झूल रही थी। बड़ा मज़ा
आ रहा था। फिर वह पेड़ की डाली पर चढ़ गई।
कहानी का वाचन करें। छात्र वाचन करें।
प्रश्न करें

- बंदर कहाँ बैठा था?
- उसकी पूँछ कहाँ तक लटक रही थी?
- गिलहरी क्या कर रही थी?
- अचानक उसे क्या दिखाई दी?
- वह क्या करने लगी?
- बंदर को क्या हुई?
- बंदर ने क्या देखा?
- बंदर ने क्या कहा?
- गिलहरी ने जवाब दिया?
- क्या बंदर ने गिलहरी को दुश्मन समझा? क्यों?

कहानी को उचित शीर्षक दें।
बोलें - सब पशु-पक्षी प्यार के भूखे हैं।

प्रक्रिया 3 - प्यार करें ... मनुष्य बनें ...

जानवरों से मानव प्रेम संबंधी विडियो दिखाएँ। प्यार का महत्व समझा दें।

प्रक्रिया 4 चित्र वाचन करें - वाक्य बनाएँ।

एक-एक चित्र को लेकर प्रश्न पूछें।

हाथी	चित्र में	लड़का	ऊँट
घोडा		आदमी	दादी माँ
गाय		घुड़सवार	बछडा
महावत		चिडियाँ	बर्तन

प्रश्न पूछें।

- हाथी क्या कर रहा है?
- हाथी के साथ कौन है?
- वह क्या कर रहा है?
- ऊँटवाला क्या कर रहा है?
- घोड़े पर कौन है?
- वह क्या कर रहा है?
- दादी माँ किसको पालती है?
- गाय क्या देती है?
- दादी माँ क्या कर रही है?
- लड़का किसके साथ खेल रहा है?
- चिड़ियाँ क्या कर रही हैं?
- क्या दादी माँ गाय से प्यार करती है?
- क्या हम से जानवर प्यार करते हैं?
- आप किससे प्यार करते हैं?
- क्या आप किसी पशु-पक्षी से प्यार करते हैं?

छात्रों को उत्तर देने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।

प्रक्रिया 5 – आलाप करें ... आस्वादन करें ...

नन्हीं चिडिया कविता का आलाप करें। चार-चार पंक्तियों में बाँटकर आलाप करें।
पहली चार पंक्तियों का आलाप करें। छात्र आलाप करें।

कठिन शब्दों का परिचय दें।
कविता का आलाप एक और बार छात्रों के साथ करें।
प्रश्न पूछें।
नन्हीं चिड़िया कहाँ आ जाती है?
"अपने पास बुलाती है"- कौन? किसको बुलाती है?
"अपने पास बुलाती है"- कैसे बुलाती है?
पंक्तियों का आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
दूसरी चार पंक्तियों का आलाप करें। छात्र आलाप करें।
कठिन शब्दों का परिचय दें।
कविता का आलाप एक और बार छात्रों के साथ करें।
प्रश्न पूछें।
चिड़िया के पास जाने से वह क्या करती है?
चिड़िया के पीछे आने से वह क्या करती है?
चिड़िया फौरन कब उड़ जाती है?
पंक्तियों का आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
तीसरी चार पंक्तियों का आलाप करें। छात्र आलाप करें।
कठिन शब्दों का परिचय दें।
कविता का आलाप एक और बार छात्रों के साथ करें।
प्रश्न पूछें।
"मुझको बहुत छकाती है"- किस को?
"मुझको नाच नचाती है"-कौन?
चिड़िया उसको क्यों भाती है?
पंक्तियों का आशय समझा दें। लिखने का अवसर दें।
पूरी कविता का आलाप करें। छात्र आलाप करें।
कविता का पूरा आशय बोलने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।

प्रक्रिया 6 – कहानी का वाचन करें- आस्वादन करें।

पहले चित्र वाचन करें। फिर कहनी का वाचन करें। छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का परिचय दें।
कहानी का वाचन एक और बार छात्रों के साथ करें।
प्रश्न पूछें।
कछुआ कहाँ रहता था?
कछुए के मित्र कौन थे?
सरोवर कब सूखने लगा?
सरोवर क्यों सूखने लगा?
हंसों ने कछुए से क्या कहा?
कछुए ने क्या कहा?
हंस का उपाय क्या था?
कछुए ने क्या उपाय बताया?
हंसों ने कछुए को क्या समझाया?
उन्हें देखकर लोगों ने क्या किया?
शोर सुनकर हंसों ने क्या किया होगा?
कछुए ने क्या किया?
फिर क्या हुआ?
कहानी का उचित शीर्षक दें।
छात्रों को उत्तर देने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।
पूरी कहानी का वाचन करें। छात्र वाचन करें।

प्रक्रिया 6 – लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

कहानी के पात्रों के बीच का वार्तालाप तैयार करें।
कछुआः तुम कैसे हो?
.....

प्रक्रिया 7– पढ़ें ... समझें ... (पशु-पक्षियों से हाथ बढ़ाना)

हो सकें तो प्रवेश प्रक्रिया चलाएँ।
लघु लेख के पहले खंड का वाचन करें। छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का परिचय दें।
प्रश्न पूछें।
बच्चे गर्मी की छुट्टी में कहाँ जाया करते थे?
वहाँ किसकी दिलचस्पी मन में जागी रहती थी?
हमें किसका शौक था?
सुबह उठकर बच्चे क्या करते थे?
बड़े मज़े की बात क्या होती थी?
बच्चों को कब बड़ा आनंद मिलता था?
बोलने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।
लघु लेख के पहले खंड का वाचन करें। छात्र वाचन करें।

प्रक्रिया 8 – पढ़ें ... समझें ... (पशु-पक्षियों से हाथ बढ़ाना)

लघु लेख के दूसरे खंड का वाचन करें। छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का परिचय दें।
प्रश्न पूछें।
गाँव के बच्चों की दोस्ती किनसे होती है?
दोस्ती का हाथ बढ़ने से कौन-कौन दोस्त बन जाते हैं?
मौका आने पर वे क्या करेंगे?
बोलने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।

लघु लेख के दूसरे खंड का वाचन करें। छात्र वाचन करें।

प्रक्रिया 9 – पढ़ें ... समझें ... (पशु-पक्षियों से हाथ बढ़ाना)

लघु लेख के तीसरे खंड का वाचन करें। छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का परिचय दें।
प्रश्न पूछें।

- लोग मन बहलाने के लिए किनको पालते हैं?
- "भला यह कैसा मन-बहलाव है? "ऐसा क्यों कहा गया है?
- "यह तो कोई दोस्ती नहीं होती"- क्या?
- पक्षियों से कैसे दोस्ती बढ़ा सकते हैं?
- वे कब दाना चुगने आएँगे?

बोलने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।
लघु लेख के तीसरे खंड का वाचन करें। छात्र वाचन करें।

प्रक्रिया 10 – पढ़ें ... समझें ... (पशु-पक्षियों से हाथ बढ़ाना)

लघु लेख के चौथे खंड का वाचन करें। छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का परिचय दें।
प्रश्न पूछें।

- हमारे जीवन में किसका अनुभव है?
- कुत्ता अपनी बफ़दारी कैसे प्रकट करता है?
- गाय और भैंस अपनी बफ़ादारी कैसे प्रकट करते हैं?
- घोड़ा अपनी बफ़दारी कैसे प्रकट करता है?
- पशु-पक्षियों को पालने से क्या मिलता है?

बोलने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।
लघु लेख के चौथे खंड का वाचन करें। छात्र वाचन करें।

प्रक्रिया 11 – देखें ... पढ़ें ... आस्वादन करें ...

महादेवी वर्मा की गिल्लू कहानी की वीडियो दिखाएँ। कहानी समझा दें।
गिल्लू कहानी के पहले चित्र का वाचन करें।
चित्र में कौन-कौन हैं?
बोलने का अवसर दें।
कहानी के पहले अंश का वाचन करें।
छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का परिचय दें।
प्रश्न पूछें।

- कौए किस पर हमला कर रहे हैं?
- वे गिलहरी पर कहाँ से हमला कर रहे हैं?
- गिलहरी पर कौन हमला कर रहे हैं?

बोलने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।
कहानी के पहले अंश का वाचन करें।

प्रक्रिया 12 – देखें ... पढ़ें ... आस्वादन करें ...

कहानी के दूसरे अंश का वाचन करें।
छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का परिचय दें।
प्रश्न पूछें।

- किसने गिलहरी की रक्षा की?
- महादेवी जी ने उसे कहाँ लिटाया?
- गिलहरी क्या कर रही हैं?

बोलने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।
कहानी के दूसरे अंश का वाचन करें।

प्रक्रिया 13 – देखें ... पढ़ें ... आस्वादन करें ...

कहानी के तीसरे अंश का वाचन करें।
छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का परिचय दें।
प्रश्न पूछें।

- महादेवी वर्मा कहाँ बैठती हैं?
- थाली में क्या है?
- गिलहरी क्या खा रहा है?

उत्तर देने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।
कहानी के तीसरे अंश का वाचन करें।

प्रक्रिया 14 – देखें ... पढ़ें ... आस्वादन करें ...

कहानी के चौथे अंश का वाचन करें।
छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का परिचय दें।
प्रश्न पूछें।

- गिलहरी किसके साथ खेलता है?
- गिलहरी रोज़ क्या करती है?

उत्तर देने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।
कहानी के चौथे अंश का वाचन करें।

प्रक्रिया 15 – देखें ... पढ़ें ... आस्वादन करें ...

कहानी के पाँचवें अंश का वाचन करें।
छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का परिचय दें।

प्रश्न पूछें।

गिलहरी क्या चाहती है?

महादेवी वर्मा क्यों बहुत दुखी है?

गिलहरी कितने साल जीवित रहती है?

उत्तर देने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।

कहानी के पाँचवें अंश का वाचन करें।

प्रक्रिया 16 – देखें ... पढ़ें ... आस्वादन करें ...

कहानी के छठे अंश का वाचन करें।

छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का परिचय दें।

प्रश्न पूछें।

गिलहरी की मृत्यु कब हुई?

गिलहरी को कहाँ दफना दिया?

महादेवी वर्मा ने गिलहरी को सोनजुही के नीचे क्यों दफना दिया?

उत्तर देने का अवसर दें। लिखने का अवसर दें।

कहानी के छठे अंश का वाचन करें।

प्रक्रिया 17 – लिख-लिखते खुश हो जाएँ

गिलहरी की पूरी कहानी लिखें।

प्रक्रिया 18 – लिख-लिखते खुश हो जाएँ।

गिलहरी की मृत्यु पर महादेवी वर्मा और मित्र के बीच का वार्तालाप तैयार करें।

प्रक्रिया 19 – कहानी पढ़ें ... आस्वादन करें ...

बोलें-

पालतू जानवरों की मृत्यु पर हम बहुत दुखी होते हैं। 'ऊँटवाला' एक मज़ेदार कहानी है, उसमें एक ऊँट कम हो गया लगने पर ऊँटवाला बहुत परेशान हो जाता है।

ऊँटवाले कहानी का पहला अंश पढ़ें (एक था ऊँटवाला ..... एक ऊँट कहाँ गया)।

कहानी के अंश का वाचन करें। छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का अर्थ समझें।

प्रश्न पूछें-

ऊँटवाले के पास कितने ऊँट थे?

वह किस ऊँट पर बैठ गया?

वह ऊँट पर क्यों बैठ गया?

उसने क्या सोचा?

गिनती करने पर कितने ऊँट थे?

जवाब देने का अवसर दें।

लिखने का अवसर दें।

कहानी के पहले अंश का वाचन करें।

प्रक्रिया 20 – कहानी पढ़ें ... आस्वादन करें ...

ऊँटवाले कहानी का दूसरा अंश पढ़ें (वह तुरंत ऊँट से ..... बहुत खुश।)।

छात्र वाचन करें। कठिन शब्दों का अर्थ समझें।

प्रश्न पूछें-

एक ऊँट के कम होने पर उसने क्या किया?

ऊँट से उतरकर गिनने पर कितने ऊँट थे?

थोड़ी दूर जाने पर, ऊँट पर बैठते-बैठते गिनने पर कितने ऊँट थे?

ऊँटवाला क्यों थक गया?

उसे एक उपाय सूझा। उपाय क्या था?

ऊँटवाले के साथ ऐसा क्यों होता था?

जवाब देने का अवसर दें।

लिखने का अवसर दें।

कहानी के दूसरे अंश का वाचन करें।

प्रक्रिया 21 – बोलें ... लिखें ... सुनाएँ ...

ऊँटवाला कहानी का मौखिक अभ्यास करें।

ऊँटवाला कहानी लिखें।

क्या यह कहानी अपनी माँ को सुनाना चाहते/ती हो? कैसे सुनाओगे/गी?

प्रक्रिया 22 गिनती करें ...

इकतालीस से पचास तक गिनती करें। छात्र गिनती करें।

पढ़ें ... भरें ...

41	42	43	44	45
इकतालीस	.....	तैंतालीस	.....	.....
.....	47	48	.....	50
छियालीस	.....	.....	उनचास	.....

पृ. 77 गिनती का अभ्यास करें।

पृ. 76 अभ्यास साल – सप्ताह करें।

1 से 12 तक हिंदी में गिनती करें।

प्रत्येक महीने में कितने दिन होते हैं वह लिखें।

साल में ..... महीने।
सप्ताह में ..... दिन।

प्रक्रिया 23 – पढ़ें ... समझें ...

पृ. 76 में दिए वाक्यों का वाचन करें। इसलिए का प्रयोग समझा दें।
अभ्यास में दिए वाक्य इसलिए जोड़कर लिखें।
पृ. 77 स्त्रीलिंग -पुल्लिंग शब्द पहचानकर लिखें।

प्रक्रिया 24 – चित्र खींचें ... लिखें ...

क्या आप किसी पशु-पक्षी को पालते हैं? उस पशु-पक्षी का चित्र खींचें। उसके बारे में लिखें।

प्रक्रिया 25 – पहचानें ... लिखें ...

पृ.79 में दिए जानवरों के चित्र देखकर जानवरों को पहचानें और लिखें।
इनमें से पालतू जानवरों और जंगली जानवरों को अलग करके उचित खंभें में लिखें।

प्रक्रिया 26 – पोस्टर बनाएँ ... खुश हो जाएँ ...

अपने स्कूल में गणतंत्र दिवस मनाने का पोस्टर तैयार करें।
गणतंत्र दिवस में क्या-क्या कार्यक्रम होते हैं? लिखें।
स्कूल की सजावट, स्कूली सभा, झंडा फहराना , गणतंत्र दिवस संदेश, मिठाई बाँटना, ...
इन कार्यक्रमों के आधार पर पोस्टर बनाएँ।

Corrections

Page	Line	Correct form
24	4	किश्ती
27	3	हूँ
36	14	सक्रिय
37	11	आखिर
40	10	तुम्हें जहाँ चाहे
41	8	आखिर
45	5	पौधों को पानी सींचती है
51	7	खिड़की
51	9	खिले
58	1	अखिल
58	12	मिलेंगे
59	4	To suppress
70	9	गिलहरियों के
71	13,16	सोनजुही